



माइक्रोबायोलॉजी विभाग महोत्सव-माइक्रोफिएस्टा'23



**INSTITUTE OF HOME ECONOMICS,
UNIVERSITY OF DELHI**
DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY, MICROCOSMOS
In collaboration with National Institute of Immunology
under the aegis of Setu programme



Talk 1
**Production of recombinant therapeutics :
Scaleup challenges and remedies**

By Prof. Yogender Pal Khasa
(Professor, Department of Microbiology) (University of Delhi, South Campus)



Talk 2
**How structure-function studies of metabolic
enzymes in pathogens can be employed for
therapeutics?**

By Dr. A K Sau
(Staff Scientist, Department of Chemical
Biology Biochemistry & Structural biology)

02/11/2023
Conference Room, Block B, IHE
10 AM onwards

PATRON: Prof. Renu Arora Officiating Director	CONVENOR: Prof. Ashima Vohra (TIC) Prof. Sunita Aggarwal	ORGANISING COMMITTEE • Prof. Arti Nigam • Mrs. Nitika Nagpal • Mrs. Sonia Chaudhary	STUDENT COORDINATOR: Parul (President)- 9013945525 Bhavya (Vice-President)- 9818475015
--	---	---	---

माइक्रोफिएस्टा '23, का प्रसंग वाक्य "जहां छोटी दुनियाएं बड़ी लहरें बनाती हैं" था। माइक्रोफिएस्टा '23, 2 नवंबर 2024 को गृह अर्थशास्त्र संस्थान में आयोजित अकादमिक ज्ञान, कलात्मक अभिव्यक्ति और सौहार्द का एक जीवंत सम्मेलन था। अकादमिक उत्सव का आयोजन माइक्रोकॉसमॉस, सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग, गृह अर्थशास्त्र संस्थान के छात्र समाज द्वारा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी (विज्ञान सेतु कार्यक्रम के तत्वावधान में) के सहयोग से किया गया था। इस कार्यक्रम ने माइक्रोबायोलॉजिकल नवाचार के एक गतिशील उत्सव में छात्रों, शिक्षकों और उद्योग विशेषज्ञों को एक साथ लाया। प्रो. योगेंद्र पाल खालसा (प्रोफेसर, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैंपस) और डॉ. एके साव (स्टाफ साइंटिस्ट, केमिकल बायोलॉजी बायोकेमिस्ट्री और स्ट्रक्चरल बायोलॉजी विभाग, एनआईआई) जैसे प्रसिद्ध वक्ताओं ने "रीकॉम्बिनेंट थेरेप्यूटिक्स का उत्पादन" और "रोगजनकों में मेटाबोलिक एंजाइमों के संरचना-कार्य अध्ययन" जैसे अत्याधुनिक विषयों पर अपनी गहन अंतर्दृष्टि से दर्शकों को प्रबुद्ध किया। प्रभारी ने अतिथि व्याख्याताओं का विनम्रतापूर्वक स्वागत किया और प्रशंसा के प्रतीक चिन्हों के साथ आभार व्यक्त किया। उनकी प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों में जिज्ञासा और जुनून की चिंगारी जलाई, जिससे उन्हें

माइक्रोबायोलॉजिकल शोध की सीमाओं का पता लगाने की प्रेरणा मिली। छात्रों ने माइक्रोबायोलॉजिकल चिकित्सा विज्ञान की दुनिया में गहराई से गोता लगाया क्योंकि हमने स्केल-अप चुनौतियों और उपायों को उजागर किया, साथ ही रोगजनकों में चयापचय एंजाइमों की आकर्षक दुनिया और चिकित्सीय रणनीतियों को आकार देने में उनकी भूमिका भी देखी।

उत्सव में ऊर्जा का माहौल था क्योंकि छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। डूडल मेकिंग प्रतियोगिता, जिसका विषय "स्वास्थ्य के छोटे टाइटन्स" था, प्रतिभागियों के लिए सूक्ष्मजीवों और मानव स्वास्थ्य के बीच सहजीवी संबंध को दर्शाने के लिए एक कैनवास के रूप में कार्य किया, जो कहावत "स्वास्थ्य ही धन है" को प्रतिध्वनित करता है। डूडल मेकिंग प्रतियोगिता में भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज और इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स के छात्रों ने जीत हासिल की। इसके अतिरिक्त, एड-मैड प्रतियोगिता ने छात्रों को माइक्रोबायोलॉजी से संबंधित प्रयोगशाला उपकरणों का रचनात्मक रूप से विज्ञापन करने की चुनौती दी, जो कि "आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है" कहावत को चरितार्थ करते हुए, वास्तव में यह दर्शाता है कि उपकरण हमारी प्रयोगशालाओं के चमत्कार क्यों हैं। संस्थान के छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। चरम स्थितियों में पनपने वाले जीवों पर शोध को प्रदर्शित करते हुए, चरम स्थितियों में पनपने वाले जीवों पर शोध को प्रदर्शित किया गया, जिसमें उनके लचीलेपन और विभिन्न क्षेत्रों में संभावित अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला गया। भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज ने पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में जीत हासिल की, जिसने चरम स्थितियों में पनपने वाले जीवों पर अपने व्यापक शोध से जजों को प्रभावित किया। जैसे ही कार्यक्रम का समापन हुआ, विजेताओं को सम्मानित भागीदारों द्वारा प्रमाण पत्र और रोमांचक पुरस्कार से सम्मानित किया गया, माइक्रोफिएस्टा '23 की सफलता ने माइक्रोबायोलॉजिकल ज्ञान और अनुसंधान को आगे बढ़ाने में सहयोग और रचनात्मकता की शक्ति का उदाहरण दिया।



MICROBIOLOGY DEPARTMENT FESTIVAL-MICROFIESTA'23



**INSTITUTE OF HOME ECONOMICS,
UNIVERSITY OF DELHI**
DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY, MICROCOSMOS
In collaboration with National Institute of Immunology
under the aegis of Setu programme



Talk 1
**Production of recombinant therapeutics :
Scaleup challenges and remedies**

By Prof. Yogender Pal Khalsa
Professor, Department of Microbiology University of Delhi, South Campus





Talk 2
**How structure-function studies of metabolic
enzymes in pathogens can be employed for
therapeutics?**

By Dr. A K Sau
Staff Scientist, Department of Chemical
Biology Biochemistry & Structural biology

02/11/2023
📍 Conference Room, Block B, IHE
🕒 10 AM onwards

PATRON:
Prof. Renu Arora
Officiating Director

CONVENOR:
Prof. Ashima Vohra (TIC)
Prof. Sunita Aggarwal

ORGANISING COMMITTEE

- Prof. Arti Nigam
- Mrs. Nitika Nagpal
- Mrs. Sonia Chaudhary
- Dr. Ashok Saini
- Dr. Arti Kumari

STUDENT COORDINATOR:
Parul (President)- 9013945525
Bhavya (Vice-President)- 9818475015

Microfiesta '23, themed "**Where Tiny Worlds Make Big Waves,**" was a vibrant amalgamation of academic enlightenment, artistic expression, and camaraderie held at the Institute of Home Economics on the 2nd of November 2024. The academic fest was organized by Microcosmos, Students society of Department of Microbiology, Institute of Home Economics, in collaboration with National Institute of Immunology (under the aegis of Science Setu Programme). The event brought together students, faculty, and industry experts in a dynamic celebration of microbiological innovation.

Renowned speakers like **Prof. Yogender Pal Khalsa** (Professor, Department of Microbiology, University of Delhi, South Campus) and **Dr. AK Sau** (staff scientist, department of chemical biology biochemistry and structural biology, NII) enlightened the audience with their profound insights into cutting-edge topics such as "Production of Recombinant Therapeutics" and "Structure-Function Studies of Metabolic Enzymes in Pathogens." **Professor Ashima Vohra**, the teacher in charge, graciously welcomed guest lecturers and expressed gratitude with tokens of appreciation. Their presentations ignited a spark of curiosity and passion among attendees, inspiring them to explore the frontiers of microbiological research. Students dived deep into the world of microbiological therapeutics as we unraveled the scale-up challenges and remedies, also

into the fascinating world of metabolic enzymes in pathogens and their role in shaping therapeutic strategies.

The fest buzzed with energy as students showcased their talents in various competitions. **The Doodle Making Competition, themed "Tiny Titans of Health,"** served as a canvas for participants to depict the symbiotic relationship between microbes and human health, echoing the proverb "Health is wealth." The Doodle Making Competition was triumphed by students of Bhaskaracharya College of Applied Sciences and the Institute of Home Economics.

Additionally, the **Ad-Mad Competition** challenged students to creatively advertise microbiology-related lab instruments, exemplifying the proverb "Necessity is the mother of invention," depicting truly why instruments are marvels of our laboratories. Students of IHE secured the 1st position in this competition, showcasing their creativity. The **Extremophilic microorganism poster competition** showcased research on organisms thriving in extreme conditions, highlighting their resilience and potential applications in diverse fields. Bhaskaracharya College of Applied Sciences emerged triumphant in the Poster Presentation Competition, impressing the judges with their comprehensive research on extremophilic microorganisms. As the event concluded, winners were honored with certificates and exciting prizes from esteemed partners, The success of Microfiesta '23 exemplified the power of collaboration and creativity in advancing microbiological knowledge and research.



